



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 23]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 20, 1982/पौष 30, 1903

No. 23] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 20, 1982/PAUSA 30, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1982

का.आ. 26(अ).—मिजो नेशनल फ्रण्ट (जिसे इसमें इसके
पदचात् फ्रण्ट कहा गया है),—

- (1) जिसका स्पष्टतः घोषित उद्देश्य स्वतंत्र मिजोरम बनाना है, जिसमें मिजोरम संघ राज्य क्षेत्र तथा असम, मणिपुर और त्रिपुरा के मिजो या कूको आबादी वाले पड़ोसी क्षेत्र हैं, उक्त उद्देश्य की प्राप्ति और भारत संघ से उक्त क्षेत्रों को विलग कराने के लिए अपने क्रियाकलापों में तेजी ला रहा है ;
- (2) अपने पूर्वोक्त उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अपने द्वारा स्थापित एक सशस्त्र बल, अर्थात्, जिसका तथाकथित नाम मिजो नेशनल आर्मी है और अन्य निकाय नियोजित कर रहा है ;
- (3) अपने उक्त उद्देश्य को अग्रसर करने के लिए मिजोरम संघ राज्य क्षेत्र में सुरक्षा बलों और सिविल सरकार तथा नागरिकों पर हमला करने के लिए उक्त सशस्त्र बल के सदस्यों और अन्य व्यक्तियों

को नियोजित कर रहा है तथा सिविल आबादी के विरुद्ध लूट और अभिशास कार्य कर रहा है तथा अपने संगठन के लिए व्यक्तियों को भर्ती करने और निधि का संग्रहण कर रहा है ;

- (4) अपने पूर्वोक्त उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अपने संगठन और सशस्त्र बल के माध्यम से तथाकथित मिजो नेशनल आर्मी के लिए विदेशों से सम्पर्क स्थापित किए हुए हैं और सहायता प्राप्त कर रहा है ;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उपरोक्त कारणों से फ्रण्ट और उसके द्वारा स्थापित अन्य निकाय जिनके अन्तर्गत इसका सशस्त्र बल, अर्थात् तथाकथित मिजो नेशनल आर्मी है, विधि विरुद्ध संगम है ;

और केन्द्रीय सरकार की यह भी राय है कि इस तथाकथित मिजो नेशनल आर्मी के सशस्त्र ग्रुपों द्वारा सुरक्षा बल और सिविल आबादी पर बार-बार हिंसात्मक कार्यों और हमलों के कारण फ्रण्ट और उसके अन्य निकायों को, जिनके अन्तर्गत तथाकथित मिजो नेशनल आर्मी है, तुरन्त विधि विरुद्ध घोषित करना आवश्यक है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, विधि-विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 7) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "मिजो नेशनल फ्रण्ट

और उसके द्वारा स्थापित अन्य निकायों को, जिनके अन्तर्गत तथाकथित मिजो नेशनल आर्मी है" विभिन्न विरुद्ध संगम घोषित करती है और उस धारा की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निवेश देती है कि यह अभिसूचना किसी ऐसे आवेश के अधीन रहते हुए, जो उक्त अभिनियम की धारा 4 के अधीन किया जाए, राजपत्र में उसके प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होगी।

[फा.सं. 13/7/81-एन ई-1]

आई. पी. गुप्ता, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th January, 1982

S.O. 26(E).—Whereas the Mizo National Front (hereinafter referred to as the Front)—

- (i) which had openly declared as its objective the formation of an independent Mizoram comprising of the Union territory of Mizoram and the adjacent Mizo or Kuki inhabited areas of Assam, Manipur and Tripura has been continuing its activities to achieve the said objective and bring about secession of the said areas from the Union of India;
- (ii) has been employing an armed force, namely, the so called Mizo National Army, and the other bodies set up by it, to achieve its aforesaid objective,
- (iii) has, in furtherance of the aforesaid objective, been employing the members of the said armed force and

other persons in attacking the Security Forces, the Government and the citizens in the Union territory of Mizoram and indulging in acts of looting and intimidation against the civilian population and in recruitment of persons and collection of funds for its organisation;

- (iv) has, to achieve its aforesaid objective, established contacts with, and secured assistance from, foreign countries through its organisation and armed force for the so-called Mizo National Army;

And whereas the Central Government is of opinion that for the reasons aforesaid, the Front and other bodies set up by it, including its armed force, namely, the so-called Mizo National Army, are unlawful associations;

And whereas the Central Government is further of the opinion that because of the repeated acts of violence and attacks by armed groups of the so-called Mizo National Army on the Security Forces and on the civilian population, it is necessary to declare the Front and its other bodies, including the so-called Mizo National Army, to be unlawful with immediate effect;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby declares the "Mizo National Front and the other bodies set up by it, including the so-called Mizo National Army" to be unlawful association, and directs, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of that section, that this notification shall, subject to any order that may be made under section 4 of the said Act, have effect from the date of its publication in the Official Gazette.

[F. No. 13/7/81-NE-1]

I. P. GUPTA, Jt. Secy.